Written by साशा और बकुल
Friday, 12 November 2010 10:25

□□□ !□□□□ □□□□□ □□ □□□□---

□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□: 14 □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□: □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□: □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□: □□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□

जहां हर रोज हजारों-लाखों बेटियां गर्भ में ही मार डाली जा रही हों और पूरी दुनिया इन हादसों को लेकर मगजमारी में जुटी हो, वहीं लखनउ में □ कमां ऐसी भी है जसिने अब तक कुल 51 बेटियों को न केवल पाला-पोसा बल्कि उनमें से कई को आत्मनर्भिर बनाकर उनका ववािह भी कर दयिा□ डॉक्टर सरोजनी अग्रवाल का मां बनने का यह अभयिान पछिले 32 साल से नर्बिाध चल रहा है□ अब 14 नवम्बर को राष्ट्रपति श्रीमती प्रतभिा पाटलि उन्हें सम्मानति करेंगी□ उन्हें वहां पर राष्ट्रीय राजीव गांधी मानव सेवा पुरस्कार से सम्मानति कयिा जा□गा□

लखनऊ की पॉश कालोनी गोमती नगर में कसिी से भी पूछ लीजा□□ मनीषा मंदरि बहुत फेमस है□ डॉक्टर सरोजनी अग्रवाल ने इस मनीषा मंदरि की स्थापना 32 साल पहले तब की थी जब उनकी बेटी मनीषा की मौत □ कदुर्घटना में हो गयी□ बेटी की मौत ने सरोजनी अग्रवाल को गहरे तक दहला दयिा, लेकनि वे अवसाद या महज शोक में ही नहीं डूबी रहीं□ उन्होंने फैसला कयिा कि अब हर बेटी उनकी होगी□ खासकर अनाथ बेटियां□ बस □ ककाफले की तरह यह अभयिान चल नकिला और आज हालत यह है कि 73 साल की डॉक्टर सरोजनी अग्रवाल 51 बेटियों की मां बन चुकी है□ उन्हें जहां भी कसिी बेसहरा बच्ची की खबर मलिती है, दौड पडती है उसे अपनाने के ल□□ हाल ही □ कनवजात बच्ची को उन्होंने सडक के कनिारे पाया था□ सधन देखभाल के चलते आज वह बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है□ हां, मनीषा मंदरि में काम करने वाले बताते हैं कि वह बच्ची दूध आज भी रूई के फाहे से ही पीती है□

डॉक्टर अग्रवाल अब तक अपनी नौ बेटियों का ववािह भी कर चुकी है□ लेकनि यह सारे ववािह दहेज रहति ही हु□□ वे महलिा सशक्तकिरण और बालकि शक्षिा को लेकर भी चल रहे कई अभयिानों से जुडी हुई है□ डॉक्टर अग्रवाल ने तो वधिवा महलिाओं को उनके अधकिारों को लेकर आंदोलन भी छेड रखा है□

Written by साशा और बक्कुल
Friday, 12 November 2010 10:25